RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY

(UNIVERSITY OF DELHI)

March 2025

NEWSPAPER CLIPPINGS

रामानुजन कॉलेज में प्रभ गिल ने रंग जमाया

नई दिल्ली। रामानुजन महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव जोश में पॉप गायक प्रभ गिल ने रंग जमाया। इस दौरान पूरे कॉलेज में उत्सव का महौल बना रहा। विभिन्न सांस्कृतिक समितियों के कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दो दिवसीय उत्सव के पहले दिन गुरुवार को कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। शुक्रवार को बैटल ऑफ बैंड, वेस्टर्न डांस और रॉक बैंड के कार्यक्रम विशेष आकर्षण रहे।

डीयू इसी सप्ताह जारी कर सकता है दाखिला मानक

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। एनटीए द्वारा स्नातक दाखिला के लिए सीयूईटी परीक्षा के लिए आवेदन तिथि जारी करने के बाद डीयू भी इसी सप्ताह अपने दाखिला मानकों की घोषणा कर सकता है। संभावना है कि इसी सप्ताह इंफार्मेशन बुलेटिन जारी हो जाएगी।

डीयू में दाखिला के लिए तीन चरण न हैं। पहले चरण के तहत सीयूईटी प्रवेश की परीक्षा के लिए आवेदन । दूसरे चरण में का डीयू द्वारा कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सी-सैस) में सीयूईटी अंकों के साथ पंजीकरण और विषयों का चयन तथा अंत में सी-सैस पोर्टल के माध्यम से दाखिला ।

डीयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम लोग इंफार्मेशन बुलेटिन जल्द ही डीयू की वेबसाइट पर अपलोड कर देंगे। जिससे छात्रों को संबंधित विषयों में दाखिला के क्या मानक हैं यह पता चल सकेगा। यही नहीं हमारी कोशिश रहेगी कि छात्रों को हर कॉलेज में किस विषय में कितनी सीटें हैं इसकी जानकारी भी हो।

स्नातक में दाखिले के लिए सीयूईटी पंजीकरण में डीयूका विकल्प चुनें

अगले सप्ताह तक जारी होगा प्रोस्पेक्टस, दाखिले से संबंधित जानकारी मिलेगी

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से सीयूईटी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट) यूजी के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ऐसे में अब डीयू ने शैक्षणिक सत्र 205-26 में स्नातक कोर्सेज में दाखिले की तैयारी शुरू कर दी है। एनटीए की ओर से सीयूईटी यूजी में किए बदलावों के साथ डीयू अगले सप्ताह तक इंफॉर्मेशन बुलेटिन जारी कर देगा।

इंफॉर्मेशन बुलेटिन में दाखिला पात्रता, दिशा-निर्देश, सीटों की जानकारी, प्रोग्राम आधारित योग्यताएं संबंधित जानकारी छात्रों को मिलेगी। डीयू में स्नातक कोर्सेज में दाखिला लेने के लिए छात्रों को सीयूईटी पंजीकरण में डीयू का विकल्प चुनना होगा। डीयू का प्रोस्पेक्टस जारी होने पर छात्रों को सीयूईटी टेस्ट पेपर का चयन करने के लिए इंफॉर्मेशन बुलेटिन को देखना होगा। बुलेटिन में उपलब्ध कोर्सेज की

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

संबंधित योग्यता को देखकर ही सीयूईटी फॉर्म को भरना होगा। बीते साल की तरह ही इस साल भी डीयू के स्नातक कोर्सेज में दाखिला लेने के लिए सीयूईटी स्कोर अनिवार्य होगा। डीयू दाखिला प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी के अनुसार एक हफ्ते के अंदर इंफॉर्मेशन बुलेटिन तैयार करके जारी कर दिया जाएगा।

इसमें स्नातक कोर्सेज में दाखिले सें जुड़ी काफी अहम जानकारी होगी।. इंफॉर्मेशन बुलेटिन में भाषाओं और सीयूईटी (यूजी) के लिए डोमेन स्पेसिफिक सब्जेक्ट की जानकारी मिलेगी। ऐसे में छात्रों को सीयूईटी टेस्ट पेपर का चयन करने से पहले इंफॉर्मेशन बुलेटिन को देखना होगा।

तैयार हो रहा इंफॉर्मेशन बुलेटिन

अधिकारियों के अनुसार, एनटीए की ओर से किए गए बदलावों के आधार पर ही इंफॉर्मेशन बुलेटिन को तैयार किया जा रहा है। इससे छात्रों को डीयू के स्नातक दाखिले के संबंध में सही जानकारी मिल सके और वह उस जानकारी के आधार पर ही सीईटी के लिए आवेदन कर सकें। मालूम हो कि एनटीए की ओर से जारी तिथियों के अनुसार सीयूईटी यूजी के लिए 22 मार्च तक आवेदन किया जा सकता है। 23 मार्च तक फीस का भुगतान किया जा सकेगा और 24 मार्च से 26 मार्च तक आवेदक अपने ब्यौरे में सुधार कर सकेंगे।

मालूम हो कि इस बार एनटीए की ओर से आयोजित होने वाली सीयूईटी में पांच विषयों की परीक्षा दी जा सकेगी। इस बार सीयूईटी के लिए छात्र ऐसे विषयों का चयन भी कर सकते हैं जो कि बारहवीं में नहीं पढ़े हैं।

पाठ्यक्रम में मनुस्मृति व बाबरनामा जोड़ने का प्रस्ताव

उदय जगताप • जागरण

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास आनर्स के पाठ्यक्रम में मनुस्मृति और तुजुक -ए-बाबरी (बाबरनामा) को शामिल करने का प्रस्ताव दिया गया है। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (एफवाईयूपी) के अंतर्गत डीयू में चौथे वर्ष के लिए पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। इसके लिए समितियां गठित की गई हैं। इतिहास विभाग की समिति ने सातवें सेमेस्टर के लिए जो नया पाठ्यक्रम तैयार किया है, उसमें मनुस्मृति और बाबरनामा को शामिल करने का प्रस्ताव दिया है। कुछ छात्रों के विरोध के बाद पाठ्यक्रम की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

एफवाईयूपी के तहत डीयू में अगले वर्ष से चौथे वर्ष यानी सातवें और आठवें सेमेस्टर की पढ़ाई शुरू होगी। उसके लिए पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। इतिहास विभाग में इतिहास आनर्स के कोर पेपर 'भारतीय इतिहास के स्रोत' को 15 सदस्यीय समिति ने तैयार किया है।

समिति की 19 फरवरी को हुई बैठक में इसे मंजूर किया गया है। इसके बाद इसे स्टैंडिंग कमेटी और अकादमिक परिषद में प्रस्तुत किया जाना था। लेकिन, डीयू प्रशासन ने विवाद के कारण पहले ही समीक्षा के निर्देश दे दिए हैं। समिति ने पाठ्यक्रम में हर्ष चरित, मत्स्यपुराण, संगम कविताएं और दिल्ली सल्तनत के संस्कृत शिलालेख आदि को भी शामिल किया है। लेकिन, मनुस्मृति व बाबरनामा को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है। समिति ने कहा है कि इससे छात्र किसी पुराने समय के लिखित पाठ को स्रोत के रूप में पढ़ सकेंगे, ऐतिहासिक दृष्टिकोण से विभिन्न प्रकार के स्रोतों का विभिन्न तरीकों से उपयोग कर सकेंगे।

डीयू में इतिहास के एक प्रोफेसर ने कहा, कोर पेपर स्रोत पर आधारित है। प्राचीन इतिहास को जानने के लिए मनुस्मृति एक अच्छा स्रोत है। इसी तरह मध्यकाल के लिए बाबरनामा एक स्रोत है। इसलिए इन्हें जोड़ने का प्रस्ताव है। विरोध कर रहे एक छात्र ने कहा, मनुस्मृति या बाबरनामा ही स्रोत क्यों होंगे। धर्म सूत्र, नारद सूत्र स्रोत क्यों नहीं हो सकते। मध्य भारत के इतिहास के लिए गुरु ग्रंथ साहिब, फतहनामा, जफरनामा और दासबोध स्रोत क्यों नहीं हो सकते। डीयू के एक अधिकारी ने कहा, समिति ने पाठ्यक्रम तैयार किया है और विश्वविद्यालय प्रशासन तक वह नहीं आया है। पहले वह स्टैंडिंग कमेटी में जाता है और फिर अकादमिक परिषद में। विश्वविद्यालय की ओर से पाठ्यक्रम की समीक्षा करने को कहा गया है।

पहले भी हुआ है विवाद : पिछले वर्ष डीयू में विधि संकाय के पेपर में मनुस्मृति को जोड़ दिया गया था। शिक्षक संगठनों व छात्रों के विरोध जताने पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने इसे हटाने की बात की थी। दोबारा पाठ्यक्रम में जोड़ने से विवि असहज हो गया है।

क्या है मनुस्मृति और बाबरनामा : डीयू में हिंदू अध्ययन केंद्र में प्रो. प्रेरणा मल्होत्रा ने कहा, मनु स्मृति ढाई हजार वर्ष पूर्व लिखी मानी जाती है।

अमर उजाला

05/मार्च/2025

डीयू में मनुस्मृति व बाबरनामा पढ़ाने की योजना नहीं

कुलपति ने कहा, ऐसा कोई विषय पाठ्यक्रम में शामिल नहीं करेंगे जो कि समाज में विभाजन पैदा करे

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनुस्मृति और बाबरनामा विद्यार्थियों को नहीं पढ़ाया जाएगा। बीते साल की तरह इस साल भी डीयू में मनुस्मृति और बाबरनामा को पढ़ाने पर चर्चा हो रही है। ऐसे में डीयू ने स्पष्ट किया है कि इन्हें कोर्स में शामिल करके पढ़ाने की कोई योजना नहीं है।

वर्तमान समय में इन्हें पढ़ाने की कोई प्रासंगिकता नहीं है। मनुस्मृति को पढ़ाने को लेकर पहले भी विरोध हो चुका है। द विरोध को देखते हुए इसे पढ़ाने के प्रस्ताव को वापस ले लिया गया था।

• विकसित राष्ट्र के संकल्प को प्राप्त करने के लिए अध्ययन सामग्री डिजाइन कर रहा

कुलपति ने कहा कि डीयू अपनी अध्ययन सामग्री इस बात को ध्यान में रखते हुए डिजाइन कर रहा है कि हम 2047 तक विकसित राष्ट्र के संकल्प को कैसे प्राप्त कर सकते हैं और डीयू का उसमें क्या योगदान हो सकता है। | कुछ दिनों से यह बातें सामने आ रही थीं कि डीयू के कुछ विभागों ने इन किताबों को पाठ्यक्रम में शामिल करने का प्रस्ताव रखा है। हालांकि अब कुलपति ने इसका खंडन कर इस मामले पर डीयू की स्थिति को स्पष्ट कर दिया है।

इस पूरे मामले पर उपजे विवाद को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि . मनुस्मृति या बाबरनामा जैसा कोई भी कोर्स या अध्ययन सामग्री प्रस्तुत करने की हमारी कोई योजना नहीं है। हम

ऐसा कोई विषय पाठ्यक्रम में शामिल नहीं करेंगे जो कि समाज में विभाजन पैदा करे।

कुलपति ने कहा कि डीयू प्रशासन के सामने न तो ऐसा कोई विषय विचारणीय है और भविष्य में भी हम

ऐसे विषयों को शामिल नहीं करेंगे।

कुलपति ने कहा कि बाबरनामा तो वैसे भी एक आतताई की आत्मकथा है। हमें उसे पढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है और न आज के समय में उसकी कोई प्रासंगिकता है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत हम भारतीय परंपराओं के अनुरूप नए-नए कोर्स लाना चाहते हैं और ला भी रहे हैं, जिनसे देश और समाज का भला हो। हम विकसित भारत की ओर बढ़ रहे हैं, इस दिशा में देश की अर्थव्यवस्था कैसे मजबूत हो और समाज का दायरा कैसे बेहतर हो सके, हम इसकी ओर अग्रसर हैं।

एयूडी छात्र संघ चुनाव संपन्न, परिणाम आज

नई दिल्ली। डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) में छात्रसंघ चुनाव मंगलवार को संपन्न हो गए। चुनाव प्रक्रिया विश्वविद्यालय के चार परिसरों मैं आयोजित की गई, जिसमें स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए कक्षा प्रतिनिधि और काउंसलर के लिए छात्रों ने मतदान किया। इस चुनाव में दो कक्षा प्रतिनिधियों और 13 काउंसलरों के लिए मतदान हुआ। चुनाव परिणामों की गणना और घोषणा पांच मार्च को की जाएगी

मनुस्मृति पढ़ाने की योजना नहीं : डीयू

नई दिल्ली, प्र.सं । डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में मनुस्मृति या बाबरनामा जैसा कोई भी कोर्स या अध्ययन सामग्री प्रस्तुत करने की कोई योजना नहीं है। बाबरनामा तो वैसे भी एक आतातताई की आत्मकथा है। उसके पढ़ाने की न तो कोई जरूरत है और न आज के समय में उसकी कोई प्रासंगिकता है। ज्ञात हो कि कुछ छात्रों ने यह कहा था कि डीयू का इतिहास विभाग मनुस्मृति और बाबरनामा पढ़ाने के लिए कोर्स में प्रस्ताव ला रहा है। डीयू में पहले भी मनुस्मृति पढ़ाने को लेकर
विवाद रहा है।

दैनिक जागरण राष्ट्रीय
06/मार्च/2025

बीकाम आनर्स में गणित को अनिवार्य बनाने की तैयारी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय में बीकाम आनर्स में प्रवेश लेने वाले छात्रों को गणित विषय पढ़ना अनिवार्य हो सकता है। पहले गणित के साथ छात्रों को अकाउंटेंसी पढ़ने का मौका मिलता था। इस दो संयोजनों में छात्र किसी एक का चुनाव कर सकते थे, लेकिन अब छात्रों को अनिवार्य रूप से गणित को पढ़ना पड़ सकता है। बीकाम आनर्स में पढ़ने वाले छात्रों के खराब प्रदर्शन के बाद ऐसा निर्णय लेने की बात कही जा रही है। उन छात्रों के लिए परेशानी खड़ी हो गई है, जिन्होंने 12वीं कक्षा में गणित नहीं पढ़ा है। वे प्रवेश से वंचित हो सकते हैं। डीयू के जारी होने के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

डीयू में तीन वर्ष से कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के जरिये प्रवेश लिए जा रहे हैं। इस कारण बीकाम आनर्स कोर्स में प्रवेश के लिए भाषा के साथ गणित- एप्लाइड गणित व दो विषय और भाषा अकाउंटेंसी व कोई दो विषय, इन दो संयोजनों के हिसाब से प्रवेश दिए जा रहे हैं। इस वर्ष से अकाउंटेंसी का विकल्प सीमित कर गणित को अनिवार्य किया जा रहा है। डीयू के कामर्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय सिंह ने कहा कि पिछले तीन सालों में जो छात्र प्रवेश ले रहे थे, उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। यही वजह है कि यह बदलाव किया जा रहा है।

एक्स पर दी जा रही तीखी प्रतिक्रिया

इस निर्णय के खिलाफ छात्रों ने इंटरनेट मीडिया व एक्स पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। डूसू अध्यक्ष रौनक खत्री ने कहा है कि वह 12वीं कक्षा में कामर्स की पढ़ाई कर रहे गैर- गणित के छात्रों के साथ-साथ आनर्स करने के इच्छुक छात्रों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। यह निर्णय छात्र हितों के खिलाफ है।

डीयू और सी-डैक के बीच हुआ एमओयू

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और सेंटर फार डेवलपमेंट आफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) के बीच विभिन्न शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर (एमओयू) किए गए। एमओयू पर डीयू से रजिस्ट्रार डा. विकास गुप्ता और सी-डैक नोएडा के कार्यकारी निदेशक विवेक खनेजा ने हस्ताक्षर किए। डा. विकास ने बताया कि इसके तहत विभिन्न डोमेन में अत्याधुनिक पुनः विन्यास योग्य एआइ एमएल माडल और हार्डवेयर कार्यान्वयन के क्षेत्र, क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र, क्रिप्टोग्राफी और पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी के क्षेत्र, कंप्यूटिंग में, स्मार्ट कार्ड प्रौद्योगिकियों और सुरक्षित कंप्यूटिंग के क्षेत्र में सामूहिक कार्य होगा।

डीयू : बीकॉम ऑनर्स में दाखिले के लिए गणित बन सकता है अनिवार्य विषय

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली * विश्वविद्यालय में बीकॉम ऑनर्स में
दाखिले के लिए गणित को अनिवार्य विषय बनाने की तैयारी की जा रही है। इस तरह दाखिले की इच्छुक छात्रों का 12वीं में गणित विषय पढ़ना जरूरी होगा। सीयूईटी यूजी शुरू होने के बाद से छात्रों को दो संयोजनों के माध्यम से दाखिला दिया जाता था। गणित के साथ दाखिले के लिए छात्रों को एकाउंटेंसी पढ़ने का मौका दिया जाता था। दो संयोजनों में से छात्र को किसी एक का चुनाव करना होता था ।

दरसअल बीकॉम में पढ़ने वाले छात्रों का प्रदर्शन अच्छा नही होने के कारण यह कदम उठाने पर विचार किया जा रहा है। इससे ऐसे छात्रों को दिक्कत होगी, जिन्होंने 12वीं में गणित की पढ़ाई नही की है। वह दाखिले से चूक सकते हैं। डीयू में हर साल बीकॉम में दाखिले के लिए सबसे अधिक आवेदन किये जाते हैं ।

अब तक डीयू की और से दाखिले के लिए इनफार्मेशन बुलेटिन जारी नही किया गया है उसके बाद ही यह साफ हो सकेगा कि गणित को अनिवार्य बनाया जाएगा या नही। डीयू में बीते

सीयूईटी से दाखिले शुरू होने के बाद से दो संयोजनों के माध्यम से दिया जा रहा था दाखिला

गणित को अनिवार्य करना छात्र हित में नहीं : गर्ग

डीयू के राजधानी कॉलेज में गणित के प्रोफेसर और इं टेक के चेयरमैन प्रो पंकज गर्ग ने इस प्रावधान पर कहा कि छात्रों की और से 11वीं में ही विषयों हिसाब से वे स्नातक में प्रवेश लेने की का चयन किया जाता है। उसी के तैयारी करते हैं, लेकिन सीयूईटी होने से दो माह पहले गणित को अनिवार्य करना छात्रों के हित में नही है।

तीन साल से कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट के माध्यम से दाखिले होते है।

सीयूईटी से दाखिले शुरू होने के बाद से बीकॉम ऑनर्स में दाखिले के लिए भाषा के साथ गणित एप्लाइड गणित और दो विषय तथा भाषा एकाउंटेंसी और कोई दो विषय को देखा ता है। इस साल से गणित को अनिवार्य किया जा रहा है। हालांकि सीयूईटी आने से पहले गणित बीकॉम में दाखिले के लिए अनिवार्य था । इस तरह से इस व्यवस्था को किया जा रहा है। दुबारा से शुरू

डीयू व सी-डैक मिलकर करेंगे शोध

समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर, शैक्षणिक कार्यक्रमों में भी करेंगे सहयोग

अमर उजाला ब्यूरोt

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक.) मिलकर अनुसंधान व शैक्षणिक कार्यक्रमों में एक दूसरे का सहयोग करेंगे। दोनों संस्थानों ने विभिन्न शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के माध्यम से डीयू और सी-डैक अभिनव परियोजनाओं पर सहयोग करेंगे। वित्त पोषण के लिए संयुक्त अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे और प्रौद्योगिकियों और समाधानों को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

इस समझौता ज्ञापन पर डीयू की ओर से रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता और सी-डैक नोएडा के कार्यक निदेशक विवेक खनेजा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डीयू डीन .. अकादमिक प्रो. के रत्नाबली, डीन फैकल्टी ऑफ मैथमेटिकल साइंस प्रो. नीलिमा गुप्ता, कंप्यूटर साइंस विभाग से एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ओम पाल के अलावा सी-डैक नोएडा के वैज्ञानिक सौरीश बेहरा और वैज्ञानिक अभिषेक तिवारी
उपस्थित रहे।

डीयू रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता ने इस एमओयू के विषय में बताया है कि यह डीयू और सी-डैक को अनुसंधान गतिविधियों और शैक्षणिक कार्यक्रमों वितरण में एक दूसरे के प्रयासों को सहयोग करने में सक्षम करेगा।

सेमिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होंगे। दोनों संस्थानों के छात्रों, इंजीनियरों, कर्मचारियों को प्रशिक्षण मिलेगा। इसके अलावा सी-डैक केंद्रों पर डीयू के छात्रों की अकादमिक और प्रोजेक्ट इंटर्नशिप भी संचालित की जाएंगी।

हिन्दूस्तान 06/मार्च/2025

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर को राष्ट्रपति से मिला अनुसंधान पुरस्कार

नई दिल्ली। उत्कृष्ट नवाचार, अनुसंधान कार्य और प्रौद्योगिकी विकास के लिए जैविक विज्ञान के क्षेत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. रीना चक्रवर्ती को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से पुरस्कृत किया गया है।

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में तीन मार्च को आठवें विजिटर्स अवॉर्ड में यह पुरस्कार प्रदान किए गए। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने प्रो.

रीना की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों का उद्देश्य ऐसे शोध को बढ़ावा देना होना चाहिए जो राष्ट्र की प्रगति में सहयोग दें।

डॉ. चक्रवर्ती को 1992 में डीयू के प्राणी शास्त्र विभाग में लेक्चर के रूप में नियुक्ति मिली थी । वर्तमान में वह एक वरिष्ठ प्रोफेसर हैं और विभागाध्यक्ष का पद संभाल रही हैं।

डीयू : स्नातक प्रोगाम में गैप ईयर वाले छात्र भी ले सकेंगे दाखिला

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक प्रोग्राम में गैप ईयर वाले छात्र भी दाखिला ले सकेंगे। गैप ईयर के साथ शर्त यह होगी कि उन्हें सीयूईटी 2025 में उपस्थित होना होगा। दाखिले के लिए केवल सीयूईटी 2025 में प्राप्त अंकों पर ही विचार किया जाएगा। बीते साल का सीयूईटी स्कोर मान्य नहीं होगा। दाखिला भाषा, डोमेन विशिष्ठ विषयों या सामान्य | टेस्ट के आधार पर ही मिलेगा। डीयू ने इस साल भी इस व्यवस्था को जारी रखा है, और इंफोर्मेशन बुलेटिन में शामिल किया गया है।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से सीयूईटी यूजी के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होने के बाद अब डीयू ने भी स्नातक प्रोग्राम में दाखिले के लिए शनिवार को अपना इंफोर्मेशन बुलेटिन जारी कर दिया है। डीयू ने छात्रों की सहूलियत के लिए इस साल भी गैप ईयर वाली व्यवस्था को जारी रखने का फैसला किया है और इसे बुलेटिन में | शामिल किया है। प्रशासन के अनुसार जिन भी छात्रों ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में स्नातक प्रोग्राम में दाखिला लेना चाहते हैं तो उन्हें दाखिला मिल सकता है।

शर्त यह रहेगी कि उन्हें इस साल सीयूईटी यूजी को देना होगा। उनका इससे पहले कभी भी दिया गया सीयूईटी स्कोर मान्य नहीं होगा। छात्रों को यह ध्यान रखना होगा कि डीयू में उन्हें सीट आवंटन के जरिए दाखिला भाषा, डोमेन विशिष्ट विषयों या सामान्य टेस्ट के आधार पर मिलेगा। डीयू प्रशासन ने अपने इंफोर्मेशन बुलेटिन में छात्रों को सलाह दी है कि उन्हें स्नातक प्रोग्राम की विशिष्ट आवश्यकताओं को जरूर पढना चाहिए।

सीयूईटी में भाषा में 30 फीसदी अंक लाने की अनिवार्यता नहीं

डीयू ने दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों को बड़ी राहत दी है। अब सीयूईटी में भाषा में 30 फीसदी अंक लाने की अनिवार्यता नहीं होगी। डीयू ने विज्ञान विषयों में योग्यता पीसीएम (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ) या फिर पीसीबी (फिजिक्स, केमिस्ट्री व बॉयोलॉजी) के साथ सीयूईटी में भाषा में 30 फीसदी अंक लाने की सिर्फ किसी भाषा में बैठना ही बाध्यता को हटा दिया गया है। अब जरूरी होगा।

यूजीसी नियमों का पालन नहीं कर रहा डीयू: खत्री

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता | डीयू छात्रसंघ के अध्यक्ष रौनक खत्री ने विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया में यूजीसी के नियमों का पालन नहीं किए जाने का आरोप लगाया है। डूसू कार्यालय में सोमवार को आयोजित एक प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि नियम के अनुसार, 70 फीसद वेटेज नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट की परीक्षा के अंकों को और 30 फीसदी वेटेज साक्षात्कार को दिया जाना
चाहिए, लेकिन केवल साक्षात्कार को प्राथमिकता देते हुए पक्षपात किया जा रहा है और 100 फीसदी साक्षात्कार 'आधारित चयन पीएचडी में किया जा रहा है, जो सरासर गलत है।
वहीं, डीयू की डीन एडमिशन ने आरोपों को सिरे से खारिज किया। प्रो. हनीत गांधी ने कहा कि पीएचडी दाखिला का पहला फेस समाप्त हो चुका है और हमें किसी छात्र की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है।

डीयू के वेबिनार में प्रवेश संबंधी जानकारी मिलेगी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय की एडमीशन ब्रांच की ओर से आज (19 मार्च को) विशेष वेबिनार का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्नातक कक्षाओं में प्रवेश से संबंधित सभी जानकारियां मिलेंगी। डीयू प्रशासन के मुताबिक, 19 मार्च को दोपहत तीन से चार बजे तक वेबिनार का यूट्यूब पर लाइव प्रसारण भी किया जाएगा।

UNIVERSITY OF DELHI अन्वेषणं

अमर उजाला 19/मार्च/2025

अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय

शतरंज टूर्नामेंट का डीयू में आगाज

20 मार्च तक चलने वाले टूर्नामेंट में 16 विवि की टीमें ले रहीं भाग

अमर उजाला ब्यूरो

भारतीय विश्वविद्यालय संघ ने टूर्नामेंट की जिम्मेदारी डीयू को सौंपी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय अंतर विश्वविद्यालय शतरंज (महिला) टूर्नामेंट का आगाज मंगलवार से हुआ है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ(एआईयू) की ओर से इस तीन दिवसीय (18-20 मार्च) टूर्नामेंट की जिम्मेदारी डीयू को सौंपी गई है। टूर्नामेंट में देशभर से 16 विश्वविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं। इसमें 96 खिलाड़ी शामिल हैं। डीयू के खेल परिसर स्थित बहुउद्देश्यीय सभागार में मंगलवार को इस टूर्नामेंट की शुरूआत हुई। इस अवसर पर डीयू कल्चर काउंसिल के चेयरपर्सन अनूप लाठर बतौर मुख्य अतिथि व दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स के प्रिंसिपल प्रो. राजीव चोपड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। टूर्नामेंट के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि अनूप लाठर ने कहा कि शतरंज के मोहरों की चाल जीवन में हर तरह की विकृतियों से बचने और निर्णय लेने की सीख देती है। उन्होंने कहा कि खेल हमारे अंदर भविष्य में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करते हैं। हम खेल खेलते हैं, खेलों से सीखते हैं और उस सीख से जीतते हैं। शतरंज एक विलक्षण खेल है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. राजीव चोपड़ा ने कहा कि खिलाड़ी कभी लूजर नहीं होता, एक हारेगा तो दूसरा जीतेगा। डीयू के शारीरिक शिक्षा एवं खेल निदेशक डॉ अनिल कुमार कलकल ने बताया कि इस अखिल भारतीय अंतर. विश्वविद्यालय शतरंज (महिला) टूर्नामेंट में चार जोन से कुल 16 विश्वविद्यालय भाग ले रहे हैं। उत्तरी जोन से डीयू, पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय और पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला शामिल है। पूर्वी जोन से एडमस विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय. दुर्ग (छतीसगढ़), कलकत्ता विश्वविद्यालय तथा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छतीसगढ़) शामिल हैं। दक्षिणी जोन विश्वविद्यालय चेन्नई, विश्वविद्यालय चेन्नई, भारथिअर विश्वविद्यालय (कोयंबटूर) तमिलनाडु और एसआरएम आईएसटी विवि तमिलनाडु भाग ले रहे हैं।

अमर उजाला 20/मार्च/2025

डीयू : बीए प्रोग्राम में दाखिले के लिए सीयूईटी यूजी में जनरल टेस्ट जरूरी

प्रत्येक रेगूलर प्रोग्राम में दाखिले के लिए इस साल का सीयूईटी स्कोर ही मान्य होगा

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में बीए प्रोग्राम में दाखिले के लिए छात्र सीयूईटी यूजी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट) में जनरल टेस्ट जरूर दें। बीए प्रोग्राम के लिए जनरल टेस्ट देना अनिवार्य है। स्नातक के किसी भी प्रोग्राम में दाखिले के लिए डीयू केवल सीयूईटी स्कोर को ही देखेगा।

बारहवीं के अंकों का इस्तेमाल केवल टाई ब्रेकिंग स्थिति ही किया जाएगा और बीते साल के सीयूईटी-स्कोर पर विचार नहीं किया जाएगा। वहीं, एसओएल, एनसीवेब और विदेशी छात्रों के लिए 'सीयूईटी अनिवार्य नहीं है। डीयू की ओर से शैक्षणिक सत्र 2025-26 में स्नातक कोर्सेज में दाखिले के लिए यह जानकारी वेबिनार के माध्यम से दी गई।

डीयू के 69 कॉलेजों में 79 यूजी प्रोग्राम में दाखिला संबंधी व सीयूईटी यूजी संबंधी जानकारी देने के लिए पहला वेबिनार बुधवार शाम को आयोजित किया गया। इसमें छात्रों को

- **छात्र इन बातों का रखें ध्यान**

सीयूईटी के बाद डीयू का कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम पोर्टल शुरू होगा। इसमें पंजीकरण कर सभी कॉलेज व कोर्स का विकल्प चुनना अनिवार्य है। सीयूईटी के लिए आवेदन करते समय नाम, पिता का नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, बैंक का विवरण पूरी तरह से ठीक भरें। यह सभी जानकारी 'छात्र की खुद की होनी चाहिए। ईमेल व मोबाइल नंबर वहीं दें जो कि सक्रिय हो।

कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम पोर्टल शुरू होने से पहले दाखिले के लिए जरूरी सभी दस्तावेजों को तैयार कर लें। दस्तावेज नहीं होने पर दाखिले से वंचित हो जाएंगे।

सीयूईटी का फॉर्म भरने से पहले डीयू का इन्फोमेशन बुलेटिन जरूर देखें। जनरल टेस्ट की मैपिंग किसी विषय से नहीं होती है इसलिए इसकी मैपिंग की जरूरत नहीं है।

दाखिले के लिए सीयूईटी में कितने पेपर में बैठना जरूरी है, किस स्कोर को स्वीकार किया जाएगा, दस्तावेज, कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम और विषयों की अनिवार्यता संबंधी जानकारी दी गई। डीयू दाखिला डीन प्रो. हनीत गांधी और संयुक्त डीन दाखिला डॉ. आनंद सोनकर ने ऑनलाइन प्रेजेंटेशन देकर छात्रों के सवालों के जवाब भी दिए। प्रो. गांधी ने वेबिनार में बताया कि सीयूईटी में
इस साल पांच विषय चुन सकते हैं। उन्हें सीयूईटी में वहीं विषय चुनने हैं जो कि छात्रों ने बारहवीं में पढ़ें हो। सीयूईटी यूजी में बैठने के लिए छात्र चाहें तो चार विषय या एक जनरल टेस्ट ले सकते हैं या फिर तीन विषय एक भाषा या फिर दो भाषा दो विषय का चयन कर सकते हैं। डीयू में दाखिले के लिए छात्र का किसी एक भाषा में सीयूईटी यूजी में बैठना जरूरी है। छात्रों को इस बात का ध्यान रखना होगा कि स्ट्रीम में बदलाव भी कर- सकते है।

उदाहरण के लिए यदि किसी छात्र ने बारहवीं में साइंस पढ़ी है और अब वह स्नातक में आर्ट्स विषयों के साथ पढ़ाई करना चाहता है तो कर सकता है, इससे उसके अंकों का नुकसान नहीं होगा। छात्रों को सीयूईटी यूजी में बैठने के लिए पेपर का चयन करने से पहले डीयू की कॉमन न्यूनतम योग्यता और प्रोग्राम संबंधी योग्यता को भी जरूर देखें ।

डीयू में 79 प्रोग्राम की योग्यताएं अलग-अलग हैं। छात्र इस बात का - ध्यान रखें कि जो विषय उन्होंने बारहवीं में पढ़ें हैं, उन्हीं में वह सीयूईटी दें। कॉमन न्यूनतम योग्यता के तहत प्रोग्राम में दाखिले के लिए किसी भी बोर्ड से बारहवीं में पास होना जरूरी है। यदि बारहवीं में कंपार्टमेंट आई होगी तो वह डीयू में आवेदन नहीं कर पाएंगे। प्रो. गांधी ने बताया कि जब एनटीए की ओर से सीयूईटी का रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा तब सीट के आवंटन के लिए कॉमन स एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

डीयू में प्रवेश को चार विषय में सीयूईटी देना जरूरी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए छात्र को कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) में चार विषय देना जरूरी होगा। इसमें एक भाषा, तीन विषय या दो भाषा और दो विषय छात्र ले सकते हैं। इनमें किसी भी कार्यक्रम के लिए सीयूईटी परीक्षा दे सकते हैं। डीयू की ओर से स्नातक प्रवेश के लिए इन्फार्मेशन बुलेटिन जारी कर दिया गया है। इसको पढ़कर छात्र सीयूईटी का फार्म भरें। डीयू की ओर से बुधवार को स्नातक प्रवेश के लिए कराए गए पहले वेबिनार में यह जानकारी दी गई। वेबिनार को डीयू के यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम किया गया। छात्रों को सवाल पूछने का मौका भी दिया गया। डीयू की प्रवेश शाखा की प्रमुख प्रो. हनीत गांधी ने कहा, सीयूईटी में सही नाम, कैटेगरी, फोटो व हस्ताक्षर ध्यान से भरें, क्योंकि यह जानकारी डीयू में प्रवेश के लिए सीयूईटी से ही स्वतः लेगा। उन्होंने बताया कि सीयूईटी में इस साल से पांच विषय चुने जा सकते हैं, जिनमें एक विषय का टेस्ट देना जरूरी है। आप

डीयू की ओर से स्नातक प्रवेश के लिए कराए गए पहले वेबिनार में दी गई यह जानकारी

दिल्ली विश्वविद्यालय। फाइल

चार विषय, एक जनरल टेस्ट या पांचों विषय के टेस्ट दे सकते हैं। सीयूईटी की सूची में 36 विषय और एक जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट है। हर कोर्स के लिए सिर्फ सीयूईटी 2025-26 के स्कोर के आधार पर ही डीयू में प्रवेश लिए जाएंगे। 12वीं के अंक तब काम आएंगे, जब एक से ज्यादा छात्रों का सीयूईटी स्कोर एक सा होगा। अगर पिछले साल का सीयूईटी दिया है तो उसका स्कोर मान्य नहीं होगा। छात्र को इस साल भी सीयूईटी देना होगा। सीयूईटी के बाद डीयू अपना कामन सीट एलाकेशन सिस्टम (सीएसएएस) पोर्टल-2025 जारी करेगा, जिसमें छात्र अपने पसंद के कालेज और कोर्स भरेंगे और सीयूईटी मेरिट के आधार पर उन्हें सीटें आवंटित होंगी। डीयू में प्रवेश के लिए चार विषय लेंगे। छात्रों को वह विषय चुनना जरूरी होगा, जो 12वीं में पढ़े हैं या इनसे कम से कम 50 प्रतिशत का पाठ्यक्रम मेल खाता हो। जो विषय 12वीं कक्षा में नहीं पढ़ा है और अगर सीयूईटी दिया है तो उस विषय को मान्य नहीं करेंगे और दूसरे विषय का विकल्प न मिलनें पर आवेदन रद भी किया जा सकता है। छात्र को 12वीं के बाद स्ट्रीम बदलने पर नुकसान नहीं होगा। बस जिसमें प्रवेश चाहिए, उसकी योग्यता पूरी होनी चाहिए। ज्वाइंट डीन एडमिशन डा. आनंद सोनकर ने बताया कि डीयू के प्रोग्राम बीकाम आनर्स के लिए भी इस साल दो संयोजनों में से एक पर प्रवेश मिलेगा। मैथ्स-एप्लाइड मैथ्स के साथ ही एकाउंटेंसी- बुक कीपिंग विषय का भी विकल्प दिया गया है। गणित और सांख्यिकी आनर्स के लिए एक भाषा, मैथ्स और दो विषय या दो भाषा, गणित और एक विषय का स्कोर लिया जाएगा। संगीत व फाइन आर्ट्स के लिए सीयूईटी के अलावा प्रदर्शन आधारित टेस्ट देना जरूरी होगा।

डीयू से यूसीएमएस को अलग करने का विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज यूसीएमएस को डीयू से अलग करने और 1 अप्रैल तक इसके अधिग्रहण का आदेश का डीयू के शिक्षकों ने विरोध किया है। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक निर्देश में दिल्ली विश्वविद्यालय को यूसीएमएस से संबंधित सभी परिसंपत्तियों, निधियों और शिक्षण व गैर-शिक्षण कर्मचारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर हस्तांतरित करने के लिए कहा गया है।

डीयू में स्कूल प्राचार्यों ने सीखा छात्रों को कॉलेज में दाखिले के लिए कैसे करें तैयार

सीबीएसई ने बीते साल स्कूल प्राचार्यों के लिए एक्सपोजर विजिट की पहल को किया था शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने स्कूल प्राचार्यों के लिए एक्सपोजर विजिट की पहल को शुरू किया हुआ है। स्कूल प्राचार्यों की भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों में विजिट के तहत बृहस्पतिवार को सीबीएसई से संबद्ध. स्कूलों के 96 प्राचार्यों ने दिल्ली विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस एक दिवसीय एक्सपोजर विजिट

प्रोग्राम में स्कूल प्राचार्यों ने क्षमता

निर्माण के साथ-साथ कॉलेजों के दाखिले के लिए स्कूली बच्चों को तैयार करने के गुर सीखने का अवसर मिला।

दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस रीगल लॉज स्थित काउंसिल हॉल में कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

डीयू दाखिला प्रक्रिया की जानकारी दी गई

डीयू दाखिला डीन प्रो. हनीत गांधी ने कार्यक्रम में प्राचार्यों को डीयू की दाखिला प्रक्रिया की पूरी जानकारी दो। उन्होंने कहा कि डीयू की दाखिला वेबसाइट पर वीडियो और इन्फोर्मेशन बुलेटिन के रूप में सभी जानकारी उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने प्राचार्यों से कहा कि वह छात्रों को बताएं कि वे विश्वसनीय स्रोत से ही दाखिले के संबंध में जानकारी प्राप्त करें। डीयू के शैक्षणिक मामलों की डीन प्रो के रत्नाबली ने इस दौरान पाठ्यचर्या और क्रेडिट संरचना के संबंध में जानकारी दी। प्रो. रत्नाबली ने बताया कि एनईपी 2020 के तहत विद्यार्थियों को मल्टीपल एग्जिट और एंट्री का प्रावधान है। कार्यक्रम में प्राचार्यों की ओर से कई सवाल भी किए गए और इसके बाद उन्हें डीयू की कौशल

प्रयोगशाला, कौशल विकास केंद्रों का दौरा करने का अवसर भी मिला।

उन्होंने कहा ओरिएंटेशन सत्र में एनईपी 2020 विकास गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम कि एनईपी 2020 के तहत सीयूईटी विश्वविद्यालय की व्यवस्था का सीधे प्रो. पायल मागो ने इस कार्यक्रम के •. मिलकर विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा हैं, इसलिए यह कार्यक्रम बहुत ही कि उच्चतर शिक्षण संस्थानों में और यूजीसीएफ 2022 के अनुसार से उच्चतर शिक्षा में जाने के लिए महत्वपूर्ण है। इस दौरान उन्होंने डीयू दाखिला प्रक्रिया बहुत ही महत्वपूर्ण कौशल शिक्षा पर जानकारी दी। उन्होंने # मार्गदर्शन कर सकते हैं। यह बहुत ही के 102 वर्षों के गौरवपूर्ण इतिहास पर है। उसके लिए स्कूली बच्चों को कैसे कौशल शिक्षा के महत्व को बताते हुए तैयार करें, यह जानकारी इस कार्यक्रम कहा कि कौशल शिक्षा बहुत उनके शिक्षक ही उनका सही शिक्षा निदेशक डॉ. विश्वजीत साहा ने ऑफ ओपन लर्निंग की निदेशक और है तो स्किल स्किल इनहांसमेंट कोर्सों सीबीएसई के प्रशिक्षण और कौशल से प्राचार्यों को मिलेगी। डीयू के कैंपस है।

अमर उजाला 21/मार्च/2025

डीयू से अलग होगा यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से डीयू कुलसचिव को भेजा गया आदेश

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस (यूसीएमएस) को अलंग किए जाने का जिम्न एक बार फिर से बाहर आ गया है। दिल्ली सरकार ने यूसीएमएस को अपने अधीन लेने की तैयारी कर ली है। इस संबंध में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से डीयू कुलसचिव को एक आदेश भेजा गया है। इसमें कहा गया हैं कि वह अपने संस्थानों की सूची से यूसीएमएस को हटाने की प्रक्रिया को जल्द पूरा करें। डीयू 'इस मामले को डीयू की कार्यकारी परिषद में ले जाकर सुलझाए। इसके अधिग्रहण की प्रक्रिया एक अप्रैल तक करने का आदेश दिया है।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के पत्र में वित्तीय विभाग से आग्रह किया गया है कि वह आपातकालीन आधार पर यूसीएमएस के लिए 100 करोड़ रुपये का फंड आवंटित करें, जिससे की संस्थान को अधीन लेने के बाद किसी प्रकार की वित्तीय समस्याएं ना आएं। इससे पहले 2015-16 में यूसीएमएस को दिल्ली सरकार को सौंपे जाने का मामला गरमाया था।

आदेश में कहा- संस्थानों की सूची से यूसीएमएस को हटाने की प्रक्रिया को जल्द पूरा करें डीयू

नेशनल टीचर्स काग्रेंस (इंटेक) के चेयरमैन प्रो. पंकज गर्ग ने दिल्ली सरकार के इस आदेश का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि डीयू के कुलपति को यूसीएमएस को संस्थानों की सूची से हटाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

यह डीयू के अध्यादेशों और विधियों का पूर्ण उल्लंघन है। संबद्धता या गैर-संबद्धता विश्वविद्यालय और संबद्ध संस्थान के बीच का मुद्दा और मामला है और दिल्ली विश्वविद्यालय यूसीएमएस के कर्मचारी यूनियन की ओर से एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है। यूनिवर्सिटी इसे दिल्ली सरकार के अधीन किए जाने के कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के शिक्षक और विरोध में आंदोलन भी शुरू किया गया था। यह गैर-शिक्षण कर्मचारी दिल्ली विश्वविद्यालय के मामला उसके बाद कोर्ट में भी पहुंचा था। डीयू अंतर्गत आते हैं और उनकी सेवा शर्तें शिक्षा से यूसीएमएस को अपने अधीन लेने के लिए मंत्रालय के मानदंडों द्वारा शासित होती हैं। मामला कोर्ट गया था। वर्ष 2024 में, कोर्ट ने इस यूसीएमएस का अधिग्रहण वहां के शिक्षकों, गैर- मामले पर लगे स्टे को हटा दिया है, जिसके बाद शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों के हितों के लिए अब दिल्ली सरकार ने आदेश दिया है कि बिना हानिकारक है। विश्वविद्यालय को दिल्ली किसी देरी के यूसीएमएस को अपने अधीन लेने सरकार के 18 मार्च को आए आदेश को सिरे से का मार्ग प्रशस्त हो। इस पूरे मामले पर इंडियन खारिज कर देना चाहिए।